विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 15 से 21 फरवरी 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 34 ❖ पृष्ठ 9 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

पूज्य बाबूजी का ज़ीवन सिद्धांत

पूज्य बाबूजी कहते थे कि पिता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाले बेटा-बेटी भाग्यशाली होते हैं. क्योंकि घर की पिल्लर की भूमिका सदैव पिता पर रहती है. उसे सदैव सम्मान और उनकी बात मानने वाली औलाद को जीवन में कभी भी किसी तरह की परेशानी नहीं होती है. माता-पिता का सम्मान जिस घर में होता है, वहां कभी भी किसी बात की कमी नहीं होती है. ऐसे में माता-पिता का सम्मान करते हुए स्वयं के जीवन को धन्य करें.

आस्था,निष्ठा पर स्वार्थ हो रहा भारी

सिद्धांतविहीन हो रही है राजनीति, नैतिकता की होती हैं केवल बातें ,सभी एक ही थाली के चट्टे-बट्टे

सुभाष दुबे,14 फरवरी

इसे देश का सौभाग्य कहा जाए या दुर्भाग्य कहा जाए कि आज राजनीति सिद्धांतविहीन, कुर्सी प्रेमी और कुर्सी प्राप्ती के लिए कुछ भी करने की तैयारी वाली हो गई है. जिस तरह से सत्ता की चाहत में नेताओं द्वारा दल-बदल किया जा रहा है, जिस पार्टी ने उन्हें तमाम सम्मान दिए, पद दिए और लोगों की नजरों में हीरो बनाया है, वही दिग्गज नेता जब दल-बदल कर रहे हैं तो नेताओं की विश्वसनीयता कितनी रह गई है, इसका अनुमान लगाना किसी अनपढ़ के लिए भी कठिन नहीं है. जहां तक महाराष्ट्र की राजनीति का सवाल है तो इस प्रदेश

त्वरित टिप्पणी : सुभाष दुबे
मो. 9423426199/8208407139

में पिछले 4 साल के दौरान जो-जो राजनीतिक स्थिति पैदा होती रही है, वह सुसंस्कृत, प्रगतिशील राज्य के लिए किसी को भी अपेक्षित नहीं थी. रात के रात सत्तारूढ़ पार्टी टूट गई और जिनकों पार्टी ने बड़ा किया था, उन्होंने पार्टी को ऐसा तोड़ा कि संभलने के लिए भी कई साल लग जाएं. राज्य की वरिष्ठ नेताओं की यह हरकत लोगों को इस तरह असमंजस में डालने वाली है कि आखिर वह किस पर भरोसा करें. मतदान के समय वे जिस पार्टी को वोटिंग करते हैं, वह जब पार्टी ही टूट जाती है और तोड़ने वाले कोई दूसरे नहीं बल्कि अपने होते हैं तो निश्चित ही कार्यकर्ता भी असमंजस वाली स्थिति में आ जाते हैं. नेताओं की हरकतों के कारण आजकल कार्यकर्ता भी बिना पैसे लिए नारे भी नहीं लगाने की सच्चाई से कोई इंकार नहीं कर सकता है.पहले अमरावती जिले में ही कई नेताओं ने कुर्सी पर नैतिकता को कभी हावी नहीं होने दिया. लेकिन आज ग्राम पंचायत से लेकर राज्य के मुखिया जब पार्टी छोड़ते हैं तो निश्चित तौर पर राजनीतिक मजबूरी, विवशता या कुर्सी की चाह है, यह समझ में नहीं आता है.जिन्हें भरपूर पार्टी ने दिया होता है, उनके द्वारा की गई यह हरकत निश्चित ही राजनीतिक पतन की ओर इंगित करती है. चूंकि यह चुनावी साल है, ऐसे में अभी कितने इधर से उधर होंगे, यह देखना दिलचस्प होगा लेकिन ऐसे दलबदलू नेताओं को जनता ने उनकी जगह दिखाना चाहिए.

सही इन्सान बनकर जीना ही जीवन की सार्थकता होती है-डॉ.जवादे

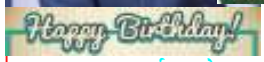

साक्षात्कार अच्छाई अपने साथ बढ़ने की स्वयं रखती है ताकत

अमरावती- ज़ीवन में सही तरह का जीना और किसी के काम आने में ही जीवन की सार्थकता होती है. दुनिया धनवानों को नहीं बल्कि दिलवालों और दिल में सभी के प्रति सम्मान और प्रेम रखने वालों को सदैव याद करती है. हर व्यक्ति को सही इन्सान बनकर जीना चाहिए, ताकि वह स्वयं के साथ ही अन्यों की यादों में सदैव रहे. जितना संभव हो सके, नेक काम करने का प्रयास करना चाहिए, यही वह कार्य होता है, जो हमें लोगों के दिलों में जगह दिलाता है. इस आशय की बात राज्यभूषण सहित दो दर्जन से अधिक पुरस्कार प्राप्त कर चुके महालक्ष्मी नेत्रालय के

शेष पेज 2 पर

संपादकीय

तैयार होने लगा है चुनावी माहौल

देश में चुनावी माहौल तैयार होने लगा है. जिस तरह से चुनाव का माहौल बनते ही सामाजिक, धार्मिक उपक्रम बढ़ जाते हैं, उसी तरह विकास कामों को भी गति मिलने लगती है. जिले में करोड़ों रूपए के विकास कामों का भूमिपूजन करने का सिलसिला शुरू हो गया है. ऐसे में सवाल उठता है कि चुनाव के कुछ समय पहले ही विकास काम क्यों गति पकड़ते हैं. संसद के आगामी चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों द्वारा प्रयास तेज किया गया है. चुनाव में टिकट नहीं मिलने की आशंका में कई दिग्गज नेता भी दलबदलने में सुस्ती नहीं कर रहे हैं. आगामी समय में दलबदलुओं की स्पीड और बढ़ने वाली है. जनता तो हर मामले में शांत रहती है. उसकी शांति का ही असर है कि चुनाव में चौकाने वाले नतीजे आते हैं. चुनावों का दौर अभी से दिखाई देने लगा है हालाकि चुनाव आयोग द्वारा अभी तक चुनावी घोषणा नहीं की गई है लेकिन सभी राजनीतिक दलों की हलचलों को देखते हुए यह लोकसभा चुनाव की आहट कहना गलत नहीं होगा.

भाजपा, कांग्रेस,सपा के साथ सभी दलों द्वारा जहां चुनाव जीतने के लिए पूरी जान डाली जाएगी,वहीं विपक्षी एकता का क्या फर्क पड़ता है, यह आने वाला समय बताएगा. चुनाव में कामयाबी के लिए नेताओं द्वारा जिस तरह के दावे किए जा रहे हैं, वह भी कम हैरत वाला नहीं है. देश में आजादी के बाद के कुछ वर्षों के बाद पर गौर किया जाए, सभी राजनीतिक दलों के घोषणापत्र को देखा जाए तो एक बात तो तय है कि अगर उन चुनावी घोषणापत्रों पर अमल किया जाता तो निश्चित तौर पर आज देश कब का ही महासत्ता बन चुका होता. किसी ने गरीबी हटाओ, किसी ने बेरोजगारी हटाओ का नारा शान से दिया लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि इसमें से कुछ भी नहीं हटा है. देश की मूल समस्याओं से ध्यान भटकाने के लिए सदैव प्रयास किया गया है. सभी ने गरीबों, मध्यमवर्गीयों की भावनाओं का खिलवाड़ ही किया है. शहर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक उन विषयों को अत्याधिक तूल दिया जा रहा है, जो निरर्थक हैं. जबकि अच्छे विषयों से लोगों का ध्यान हटाने का प्रयास किया जा रहा है. मोदी सरकार को कोसने का कोई मौका कांग्रेसी नेता नहीं छोड़ते हैं. मोदी सरकार पर राहुल गांधी ने जनहित के मुद्दों को दरकिनार करने के लिए जमकर फटकार लगाई है. भाजपा द्वारा सभी को साथ लेकर जिस तरह से प्रयास किया जा रहा है, अयोध्या को लेकर जिस तरह का माहौल देश में बना है, राष्ट्रीयता की भावना जिस तरह से तेजी से बढ़ रही है, उसके चलते यह कहना गलत नहीं होगा कि आगामी समय में निश्चित तौर पर इस पार्टी के अच्छे दिन फिर एक बार रहने वाले हैं. ज़नता पर सबसे बड़ी जिम्मेदारी रहती है. आगामी चुनाव में अपने कीमती वोट का उपयोग किस तरह से करना चाहिए, यहतय करने का अधिकार केवल उसे ही है. यह जनता के विवेक पर निर्भर है. फिलहाल तो जिले से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर विकास कामों की स्पीड बढ़ जाएगी. चुनावी माहौल किस करवट रहेगा, यह देखना दिलचस्प होगा.

बच्चों की सही सोच संवारती है जीवन

विदर्भ स्वाभिमान

राय बताएं-9423426199

बचपन के संस्कार जीवन को दिशा देने के साथ ही संवारने का काम करते हैं. इसे ही जीवन में बेस कहा जाता है. यही कारण है किहर माता-पिता को बच्चों के बचपन और उनके ध्यान पर विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए. वैसे भी बच्चों के प्राथमिक और सबसे मजबूत गुरू माता-पिता ही होते हैं. विद्यालय में शिक्षा तो दी जाती है लेकिन संस्कार देने का काम घर में ही होता है. इसलिए उन्हें बचपन में किस तरह का संस्कार दिया जाता है, इसका अत्याधिक महत्व रहता है. बच्चों में बचपन से ही अगर आत्मीयता वाला विषय मजबूती से पकड़ा जाता है तो वे जीवन में सदैव आगे बढ़ते हैं. शिक्षा से भी अधिक जरूरी जीवन में संस्कार होता है. संस्कार अगर मजबूत है तो बच्चा जीवन में किसी भी क्षेत्र में कभी पीछे नहीं हट सकता है. वह फिर जिस भी क्षेत्र में रहेगा, वह कामयाबी की बुलंदी हासिल करेगा.

किसी भी देश की प्रगति में शिक्षकों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान रहता है. बात चाहे आदर्श संस्कार की हो, बच्चे के उज्वल भविष्य की

हो. माता-पिता के बाद बच्चों के आकार देने का कार्य शिक्षक ही करते है. समय के साथ यद्यपि शिक्षा क्षेत्र में लगातार बदलाव आ रहा है. लेकिन इसके साथ ही यह भी उतना ही तय है कि आज शिक्षा का तरिका कई मायनों में बदल गया है. बच्चें आज जल्द से जल्द नई चिजें सीखने के लिए जहां सक्रिय है वहीं दूसरी ओर आधुनिक साधनों का जोड उन्हें मिला है. यही कारण है कि समय के साथ चलते हुए बच्चे जीवन में आगे बढते हैं. शहर ही नहीं तो राष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन शिक्षा एवं छात्रों के सर्वांगिण विकास के लिए सुख्यात पोद्दार इंटरनेशनल स्कुल के प्राचार्य सुधीर महाजन शिक्षा क्षेत्र में छात्रहित में नए नए प्रयोग करनेवाले आदर्शशिक्षक के रुप में पहचाने जाते है. व्यक्तित्व विकास के मामले में उनके लेख राष्ट्रीय स्तर के मैग्जीन और समाचार पत्रों में प्रकाशित होते हैं. उनका कहना है कि शिक्षक ही देश के भाग्यविधाता होते है.लेकिन बच्चों के पहले गुरू और शिक्षक माता-पिता होते हैं. पिता से भी संस्कार की जननी के रूप में माता का उल्लेख अधिक होता है. ऐसे में महिलाओं को अपने बच्चों पर आदर्श संस्कार डालने का सदैव प्रयास करना चाहिए. इससे बच्चे का जीवन संवरेगा और उसके साथ ही बुढ़ापे में माता-पिता का भी जीवन संवरेगा.

दिलदार व्यक्ति हैं डॉ. राजेश जवादे

सच्चाई जीवन में कभी धोखा नहीं देती है, झूठ कभी भी पीछा नहीं छोड़ता है

नैतिकता की कमाई सदैव देती है सुकून,सेवा का जहां भी मौका मिले करना चाहिए

विदर्भ स्वाभिमान

पेज 1 से जारी- प्रमुख डॉ. राजेश जवादे ने किया. उनके मुताबिक जीवन में किया गया अच्छा काम कभी बेकार नहीं जाता है. काम को पूजा मानने वाले तथा अभी तक हजारों गरीबों और जरूरतमंदों का शिविर में निःशुल्क जांच और ऑपरेशन करने वाले डॉ. राजेश जवादे जितने उत्तम नेत्र शल्य चिकित्सक हैं, उससे भी कई गुना अच्छे इन्सान हैं. संवेदनशीलता इतनी कि किसी के दर्द को नहीं देख सकते हैं. सांसद पिता स्व.भैयासाहब जवादे और मां प्रमिला जवादे को अपने जीवन का प्रेरणा स्त्रोत मानने वाले और सिद्धांतों को ही अपनी सबसे बड़ी ताकत मानने वाले डॉ. जवादे दिल के राजा व्यक्ति हैं. विदर्भ स्वाभिमान के साथ 19 फरवरी को जन्मदिन के उपलक्ष्य में बातचीत करते हुए कहा कि जिला सामान्य अस्पताल में उन्होंने सेवाएं दी हैं. यहां भी गरीबों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहते थे. उनके मुताबिक उन्हों ने आदर्श आचार-विचार और मानवता की सीख माता पिता से ही मिली है. इतना ही नहीं तो वे कहते हैं कि जब हम अच्छी सोच के साथ कोई भी काम करते हैं तो सफलता हमें हर हाल में मिलती है. अभी तक 90 हजार से अधिक मोतियाबिन्दु और अन्य ऑपरेशन करने के साथ ही नवजात बच्चे की आंख का सफल ऑपरेशन करने का रिकार्ड है. अस्पताल को भी सेवा केन्द्र बनाने वाले डॉ. राजेश जवादे की नेत्र शल्य चिकित्सा में विश्वसनीयता इतनी है कि सुबह घंटे भर में पेशंट फुल हो जाते हैं. उनके अस्पताल में न केवल जिला, विदर्भ, महाराष्ट्र बल्कि पड़ोसी मध्य प्रदेश से भी मरीज आते हैं. उनका कहना है कि जब हर व्यक्ति अपने काम को ठीक ढंग से करता है तो देश की प्रगति अपने आप होती है. बढ़ते भ्रष्टाचार के साथ ही राजनीति में नैतिक पतन पर चिंता जताते हुए वे कहते हैं कि यह वह महान देश है, जहां छत्रपति शिवाजी, महाराणा प्रताप जैसे देशभक्त और सच्चाई के लिए सब कुछ कुर्बान करने वाले राजा हरिशचंद्र पैदा हुए हैं. राष्ट्रधर्म को सबसे बड़ा धर्म मानने वाले डॉ. राजेश जवादे के मुताबिक राष्ट्र अगर सुरक्षित रहेगा तो ही हम सुरक्षित रहेंगे. सभी को राष्ट्र को पहली प्राथमिकता देने की सलाह भी दी.

मेरे जीवन में माता-पिता के अलावा छत्रपति शिवाजी महाराज के विचारों ने सदैव प्रोत्साहित करने का काम किया है. अमरावती के साथ ही यवतमालवासियों का अपार प्रेम मिला है. जितना संभव होता है सामाजिक कर्ज उतारने का प्रयास सभी को करना चाहिए. माता-पिता के साथ पत्नी का साथ और बच्चों का प्यार ही अपनी सबसे बड़ी ताकत मानते हैं.हिंदवी स्वराज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज को वे जहां आदर्श राजा मानते हैं, वहीं उनका कहना है कि सर्वधर्म समभाव के साथ ही सभी कासाथ ही देश को तेजी से विकास की राह पर ले जा सकता है.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com

नेक दिल वाले मानवसेवी नेत्र विशेषज्ञ हैं डॉ.जवादे

19 फरवरी को जन्मदिन पर विशेष

महालक्ष्मी नेत्रालय बना है नेत्र मरीजों की सेवा का केन्द्र

राज्यभूषण सहित दो दर्जन से अधिक अवार्ड से सम्मानित

ज़ीवन तो प्रभु का उपहार है, ऐसे में जीवन को हम किस तरीकेसे जीते हैं, इसका बड़ा महत्व रहते हैं. कुछ लोगों का जीवन फूल के समान होता है, वह सदैव खुशबू ही देते हैं. ऐसे ही लोगों में हैं हमारे बड़े भाई तथा राष्ट्रीय स्तर के नेत्र शल्य चिकित्सक डॉ.राजेश जवादे. सफलतम डाक्टर के साथ ही दिल के राजा और सामाजिक संवेदना को समझने वाले मानव सेवी व्यक्ती के रूप में उनकी ख्याति है. सांसद पिता भैयासाहब जवादे और मां प्रमिला जवादे को जीवन का प्रेरणास्त्रोत मानने वाले डॉ. जवादे राष्ट्र धर्म के मामले में छत्रपति शिवाजी महाराज के विचारों से प्रभावित हैं. उनके घर के हॉल को ही उन्हों ने छत्रपति शिवाजीमय बना दिया. यह भी अजीब संयोग ही है कि छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के दिन ही उनका जन्मदिन है. सर्वप्रथम विदर्भ स्वाभिमान परिवार द्वारा उन्हें जन्मदिन पर करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. उल्लेखनीय सामाजिक कामों के लिए उन्हें राज्यभूषण, विदर्भ रत्न, अमरावती रत्न जैसे अनगिनत पुरस्कार भी प्राप्त हो चुके हैं. उनका कहना है कि इन्सान को मानवता धर्म का पालन करना चाहिए, इससे वह अपार लोकप्रियता हासिल कर सकता है.

शहर के प्रतिष्ठित नागरिक एवं राष्ट्रीय स्तर के सुख्यात नेत्र सर्जन, महालक्ष्मी नेत्रालय के संचालक डॉ. राजेश जवादे हरदिल अजीज व्यक्तित्व डॉ. राजेश जवादे जितने बेहतरीन नेत्र शल्य चिकित्सक हैं, उससे भी बेहतरीन इन्सान हैं. उनके स्वभाव की सादगी, नेत्र मरीजों की सेवा को लेकर समर्पण सभी को आकर्षित करता है. जितने बेहतरीन वे डाक्टर हैं, उससे भी बेहतरीन इन्सान हैं. डॉ. राजेश जवादे की हर मामले में सटीक राय रहती है. कोरोना महामारी के दौरान भी उन्होंने जिस तरह से जनहित में स्वयं को झोंका था, मरीजों की सेवा की थी, वह भी अपने आप में आदर्श उदाहरण है.

सेवाभावी व्यक्तित्व हैं

बेहतरीन डाक्टर के साथ ही सामाजिक सेवा के लिए अमरावती रत्न के सम्मान से नवाजे गए डॉ. राजेश जवादे सर ने दो महीने के बच्चे से लेकर 103 साल के बुजुर्ग का नेत्र ऑपरेशन किया है. उनके कुशल नेतृत्व में संचालित होने वाला एसटी स्टैन्ड रोड स्थित महालक्ष्मी नेत्रालय गरीबों एवं जरूरतमंदों के

आत्मीयता के सागर हैं

डॉ. जवादे सर का विदर्भ स्वाभिमान को सदैव आशिर्वाद रहता है. मेरे हर विशेषांक को उनका आशिर्वाद ही नहीं बल्कि सराहना होती है. मातृ-पितृ देवो विशेषांक के साथ ही माता-पिता की सेवा के चमत्कार पर आधारित मेरी किताब मातृ-पितृ देवो भवन की न केवल सराहना की, बल्कि इसमें भी सहयोग दिया. उनका कहना है कि जब अच्छे काम की सराहना की जाती है तो अच्छे काम करने वालों की हिम्मत बढ़ती है.

लिए भी आशा की किरण बना है.बातचीत में डॉ. जवादे कहते हैं कि मरीज उनके लिए प्रथम प्राथमिकता रहते हैं. उनका कहना है कि मरीजों की सेवा से उन्हें अपार हर्ष मिलता है. सर के काम तथा उनकी व्यस्तता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सुबह 5 बजे से उनकी दिनचर्या शुरू होती है. वह रात तक चलती रहती है. उनके मुताबिक मरीज सेवा से उन्हें अपार संतुष्टि मिलती है. वे कहते हैं कि जिस तरह से आत्मीयता से मरीज उनका इंतजार करते हैं, इसके चलवे सदैव प्रयास करते हैं. मरीजों के विश्वास को अपनी सबसे बड़ीं पूंजी मानते हैं. वे स्पष्ट करते हैं कि आज पैसे को लोगों द्वारा हद से ज्यादा महत्व दिया जाता है. लेकिन ऊपरवाले और माता-पिता के आशिर्वाद से उनके पास सब कुछ है. लेकिन इसके बाद भी मरीजों के विश्वास, उन्हें राहत देने के लिए वे प्रयास करते हैं.सामाजिक कामों में भी सेवा के क्षेत्र में भी डॉ. राजेश जवादे सदैव सक्रिय रहते हैं. अभी तक रोटरी, लायन्स क्लब द्वारा आयोजित शिविरों में हजारों मरीजों को सेवाएं दी हैं. जिला सामान्य अस्पताल में नेत्र शल्य चिकित्सक रहते समय आदिवासी मेलघाट,धारणी जैसे क्षेत्रों में विशेष शिविर लेकर हजारों गरीबों, जरूरतमंदों को सेवा देने का काम किया है. राष्ट्रधर्म को सबसे बड़ा धर्म मानने वाले डॉ. जवादे के मन में भारतीय फौज को लेकर अपार प्रेम है. दिव्यांगों की सेवा तथा मदद के लिए भी यथासंभव प्रयास रहते हैं. इसकी सराहना स्वयं अंध विद्यालय की पूर्व प्राचार्य गौरी अय्यर ने की. साथ ही उन्हें दिल का राजा व्यक्ति बताया.

हिंदुत्व की महत्ता के साथ ही सर्वधर्म समभाव को महत्व देने वाले डॉ. राजेश जवादे का कहना है कि जीवन में मानवता से बड़ा धर्म नहीं हो सकता है.भारत विभिन्न राज्यों, धर्म, पंथ, जाति, समूहों का देश है. हर एक की अपनी सोच है. लेकिन इसके बाद भी देश में मजबूत लोकतंत्र है. उनका कहना है कि अपनी ओर से हर व्यक्ति को जितना संभव हो सके,सहयोग देने का प्रयास करना चाहिए. इससे अपार खुशी मिलती है. जब हम खुशियां बांटते हैं तो वह पलटकर हमारे पास आती हैं. लेकिन जब किसी को दुखी करते हैं तो वह भी हमारे पास ही पलटकर आती हैं. इसलिए सदैव खुशियां बांटने और अपने काम के प्रति ईमानदारी से कार्य करना चाहिए.19 फरवरी को सर का जन्मदिन है, हमारी उन्हें करोड़ों हार्दिक शुभकामनाएं.वे दीर्घायु हों, प्रभु चरणोंमें यही कामना.

विदर्भ स्वाभिमान

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 / 43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

मानव धर्म निभाते रहें

ज़ीवन में राष्ट्रधर्म और मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं हो सकता है. यह दोनों अगर हम निभाने में सफल हो जाएं तो निश्चित तौर पर जीवन में कभी भी पीछे मुड़कर देखने का काम नहीं पड़ेगा. प्रेम और अपना सदैव बढ़कर मिलते हैं. किसी को भी अपने से कम नहीं समझते हुए जब हम सभी को सम्मान देते हैं तो हमारा जीवन में कभी भी कोई अपमान नहीं कर सकता है. विनम्रता ऐसा गुण है जो पराये को भी अपना बना देता है. लेकिन इसके साथ ही विश्वासघात ऐसा दुर्गुण है, जो करीबी को भी बहुत दूर कर देता है. ज़ो व्यक्ति तुम्हे चाहता है और तुम पर विश्वास करता है उसके साथ कभी भी स्वार्थवश घात नहीं करना चाहिए.

अपने दुख का कारण हम

जो लोग जीवन में अपनों का महत्व नहीं कर सकते हैं, वे दूसरे का महत्व कभी नहीं कर पाएंगे. इसलिए पहले अपने लोगों का सम्मान और उन्हें प्रेम देना सीख गए तो खुशियां ही खुशियां जीवनभर बढ़ेंगी. जो व्यक्ति अपनों की बुराई किसी दूसरे के सामने करता है, उससे बड़ा अविश्वसनीय व्यक्ति हो नहीं सकता है. जो अपनों का नहीं होता है, वह दुनिया में भला किसका हो सकता है, यह विचारणीय तथ्य है.

विदर्भ स्वाभिमान

माता-पिता हमारे जीवन की ऐसी एटीएम होते हैं जिनका प्रेम, आत्मीयता और अपनापन कभी भी खत्म नहीं होता है. उनके जैसा त्यागी हो ही नहीं सकता है. ऐसे में वे जब तक जिंदा हैं, उनकी सेवा करने के लिए समर्पित रहें. महिलाएं ही जब मां को समझ लेंगी तो कभी किसी माता-पिता को तकलीफ नहीं होगी.

जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	1912
पुलिस सेवा	112
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाइन	1076
क्राइम सहायता	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

मानवता का धर्म निभाने वाले होते हैं दुनिया में सदैव अमर

विदर्भ स्वाभिमान

विशेष संस्कार पहल

परतवाड़ा में 5 मई से होगी कथा

श्री विट्ठलेश सेवा समिति के प्रमुख और अंतराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पंडित प्रदीप मिश्रा क़ी अमरावती में हुई कथा की शानदार सफलता के बाद अपने परिजनों की स्मृति में परतवाड़ा के सुख्यात व्यवसायी नंदलाल परिवार द्वारा शिव महापुराण कथा का 5 से 11 मई तक आयोजन किया गया है. इसकी महत्वपूर्ण बैठक होकर 45 समितियों का गठन करने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है. आज के जमाने में जब माता-पिता को वृद्धाश्रम भेजने की प्रवृत्ति बढ़ी है, ऐसे में जयस्वाल परिवार द्वारा उनकी याद में आयोजित होने वाली कथा निश्चित ही भावी पीढ़ियों को प्रेरणा देने का काम करेगी. विदर्भ स्वाभिमान का नमन.

भक्तों का उमड़ेगा यहां भी सैलाब

जीवन में केवल हम खाने, पीने और जीने के लिए नहीं आए हैं, बल्कि जीवन को संवारने और किसी के काम आने के लिए यह जीवन मिला है. ऐसे में यह जरूरी है कि हर व्यक्ति अपने धर्म के साथ ही मानवता का धर्म निभाने का प्रयास करे. ऐसा करने में अगर हम सफल हो जाते हैं तो दुनिया हमें सदैव याद रखती है. पंडित प्रदीप मिश्रा की कथाओं में केवल धर्म ही नहीं बल्कि मानवता धर्म, राष्ट्र धर्म, सनातन धर्म की खूबियों को समझने और उसका पालन करने के साथ ही इन्सानियत के धर्म को निभाते हुए जितना संभव हो सके, एक दूसरे के काम में आने की सीख दी जाती है.

सनातन धर्म की खूबियों को बताने के साथही भारतीयता को पूरी तरह से समर्पित पंडित प्रदीप मिश्रा का कहना है कि इन्सानियत का धर्म सबसे बड़ा धर्म है. यही कारण है कि इस धर्म का ईमानदारी से पालन अगर देश के सभी नागरिक करने लग जाएं तो दुनिया में भारत को सोने की चिड़िया और विश्व गुरू बनने में किंचित भी देर नहीं लगेगी.

श्री विट्ठलेश सेवा समिति सिहोर द्वारा धार्मिक के साथ ही मानव सेवा के स्वयं भी विभिन्न कार्यक्रम किए जाते हैं. बिना किसी शुल्क के रूद्राक्ष का वितरण और कई लोगों को यह रूद्राक्ष अनुभव आने के कारण ही लोगों का विश्वास बढ़ा है. इसके साथ ही पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा बताई जाने वाली बातें खर्चीली नहीं रहने से लोगों द्वारा उसका पालन किया जाता है. एक लोटा जल, हर समस्या का हल इसमें कोई खर्च नहीं लगता है. बेलपत्री कहीं से भी मिल जाती है. यही कारण है कि आज अपार लोकप्रियता उन्हें मिली हैं. उनके टोटके लोगों के जीवन को बदलने में सक्षम रहे हैं.

ग्राम पंचायत कार्यालय,घोडगांव

ता. अचलपुर, जि.अमरावती

ज़ाहिर निविदा मागणी

निविदा सूचना क्रमांक-12-02-2024

सरपंच ग्राम पंचायत घोडगाव, ता. अचलपुर जि. अमरावती यांच्या कडून सन 2023-24 मध्ये निविदा पुरविणे साठी सीलबंद वि.1 तथा साहित्य पुरवठा निविदा ग्राम पंचायत, घोडगांव कार्यालयाकडे दि. 25-02-2024 रोजी सायंकाळी 5.00 वाजेपर्यंत सुट्टीचे दिवस वगळता ग्राम पंचायत कार्यालयीन वेळेत ग्राम पंचायत घोड़गांव येथे स्वीकारण्यात येतील.

अनु. क्रमांक	योजनेचे नाव	क़ामाचे मंजूरीचे वर्ष	कामाचे नाव	क़ामाची किंमत	बयाना रक्कम	निविदा फी
1	15वां वित्त आयोग	2023-2024	भूमिगत गटारी बांधकाम	1,72,694/-	1729/-	200/-
2	15वां वित्त आयोग	2023-2024	जि.प.शाळा शौचालय बांधकाम	1,00,000/-	1000/-	200/-
3	15वां वित्त आयोग	2023-2024	शाळेतील विविध साहित्य खरेदी करणे	2,00,000/-	जीईएम द्वारे	-----
4	मा.बाळासाहेब ठाकरे स्मृति मातोश्री ग्रा.पं.बांधणी योजना	2023-2024	नवीन ग्राम पंचायत भवन बांधकाम करणे	20,00,000/-	ई-निविदा मौजे	-----

टिप :-

1. निविदेच्या अटी व शर्ती ग्राम पंचायत कार्यालयात घोडगांव,ता.अचलपुर, जि.अमरावती यांचे कार्यालयात वेळेत पहावयास मिळतील.
2. निविदा ह्या दो लिफाफा पद्धतीने सादर करावयाचा आहेत.
3. निविदा स्वीकारण्याचे तसेच काही कारणास्तव निविदा रद्द करण्याचे अधिकार सरपंच/सचिव यांनी राखून ठेवलेले आहे.
4. कोरी निविदा मिळविण्याचा दिनांक 17-02-2024 आहे. निविदा स्वीकारण्याचे दिनांक 25-02-2024 आणि उघडण्याचे दिनांक 26-02-2024 आहे.

सरपंच/सचिव
ग्राम पंचायत घोडगांव
ता.अचलपुर, जि.अमरावती.

युवाओं को व्यसन मुक्त करने के लिए राज्यभर में 108 कथाएं

समाजसेवी, उद्यमी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया की पहल, सर्वत्र हो रही है सराहना, कथा में उमड़ रहे भक्त

विदर्भ स्वाभिमान 14 फरवरी

अमरावती- भारत को युवाओं का देश कहा जाता है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भी युवा पीढ़ी को राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत मानी जाती है. युवाओं की इसी ताकत के बलबूते भारत विश्व गुरू बनने की ताकत रखता है. लेकिन बीते कुछ वर्षों में युवा पीढ़ी व्यसनों में अधिक दिखाई दे रही है. राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिहाज से युवाओं को व्यसनों से परावृत्ति करने के लिए तथा सनातन धर्म के प्रचार के लिए राज्यभर में 108 श्रीमद् भागवत कथाओं का संकल्प लिया है. इन कथाओं को व्यापक प्रतिसाद मिल रहा है. लोगों के इसी प्यार से हिम्मत मिलती है. इस आशय का मत सुख्यात समाजसेवी और धार्मिक कामों में सदैव अग्रणी रहने वाले योगदान देने वाले चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया ने किया.

विदर्भ स्वाभिमान के साथ बातचीत करते हुए अभी तक कई दर्जन प्रदेश तथा राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार प्राप्त करने वाले लप्पीभैया ने बताया कि उनके परिवार में सदैव सामाजिक, धार्मिक के साथ ही राष्ट्र के प्रति

किसी भी देश की ताकत उसकी युवा पीढ़ी होती है. भारत तो युवाओं का देश है. युवाओं में बढ़ती व्यसनाधीनता गंभीरता का विषय है. इससे युवाओं को परावृत्त करने के लिए राज्य में 108 श्रीमद् भागवत कथाएं हो रही हैं. इसका असर पड़ रहा है.

यथासंभव योगदान देने का योगदान दिया है. वे कहते हैं कि सकारात्मक सोच से जीवन संवारने में मदद मिलती है. जीवन में प्रभु द्वारा जो जिम्मेदारी दी जाए, उसे बेहतरीन तथा समर्पण भाव से निभाने की मानसिकता रहने पर उसमें कामयाबी निश्चित रहती है. मेहनत, लगन और समर्पण ही कामयाबी का सूत्र होता है. कोई काम छोटा या बड़ा नहीं समझते हुए उसे पूरा करने का प्रयास करना चाहिए. यदि सभी लोग बेहतरीन तरीके से निभाएं तो निश्चित ही जीवन में सफलता के साथ ही समाज और राष्ट्र की सफलता भी तय रहती है. इसलिए जितना संभव हो सके, हम अपने काम के प्रति समर्पित होकर काम करें और सदैव यही भाव रखें कि प्रभु ने हमें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे हम किस तरह से बेहतरीन ढंग से निभा सकते हैं. जीवन में खुशियां और प्रेम बांटने से बढ़ते ह ै. इसके लिए यह भाव रखना चाहिए कि अगर हम किसी को सुख नहीं दे सकते हैं तो दुःख देने का कतई अधिकार नहीं है.

शहर की हर राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक गतिविधि में योगदान देने वाले लप्पीभैया के मुताबिक शिक्षा, संस्कारों से ही व्यक्ति संवरता है. आगामी पीढ़ी के लिए आज शिक्षा के साथ ही संस्कारों की अत्याधिक जरूरत है. आज युवाओं में व्यसनाधीनता काफी हद तक बढ़ रही है.यह राष्ट्र के लिए चिंता का विषय है. युवाओं को सही दिशा देने का काम करने का प्रयास वे कर रहे हैं.

जहां भी श्रीमद् भागवत कथा हो रही है, आचार्य द्वारा युवाओं को धर्म के साथ ही व्यसन मुक्ति का संदेश दिया जा रहा है. इसे सफलता भी मिल रही है. कई गांवों में युवाओं द्वारा व्यसन को तौबा करने का संकल्प लिया जाना निश्चित ही गर्व की बात है. युवाओं की ताकत बहुत बड़ी होती है. इसी उम्र में वे हर सफलता प्राप्त कर सकते हैं. जीवन में अच्छी सोच और मेहनत ही हर तरह की कामयाबी दिलाती है. इसलिए सदैव अच्छी सोच के साथ ही दूसरों को खुशी देने का प्रयास करना चाहिए. ऐसा करने से हमारी खुशी बढ़कर हमें मिलती है. जिंदगी किसी चुनौती से कम नहीं है, लेकिन सकारात्मक सोच जिंदगी को खुशनुमा बनाती है.सकारात्मक सोच से ही व्यक्ति आगे बढ़ता है और लोगों को जोड़ता है.

घर पर रहती है भीड़

स्थानीय शारदा नगर निवासी लप्पीभैया के घर पर किसी विधायक या सांसद की तरह ही लोगों की सदैव भीड़ रहती है. सुबह से लेकर शाम तक वे जहां व्यस्त रहते हैं, वहीं पतंजलि योगपीठ के अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार लप्पीभैया आज भी स्वास्थ्य के मामले में फिट रहते हैं. उनके मुताबिक जीवन में स्वास्थ्य का अत्याधिक महत्व होता है. व्यसन इसका सबसे बड़ा दुश्मन है. लोगों के काम करने में सदैव अग्रणी रहने वाले चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया की सराहना स्वयं पंडित प्रदीप मिश्रा ने की थी. बोलने में कम और करने में अधिक विश्वास रखने वाले लप्पीभैया के कारण हजारों युवाओं को रोजगार मिला है, हजारों की मदद कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में भी योगदान दिया है. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें और समाजसेवा और युवाओं को व्यसनमुक्त करने के प्रयासों को सफलता मिले, यही कामना.

शुभेच्छुक- आनंद परिवार,विदर्भ स्वाभिमान परिवार,अमरावती

खुशियों के हर प्रकार के रंग

उपाध्याय ड्रायफ्रूटस एन्ड फुड के संग

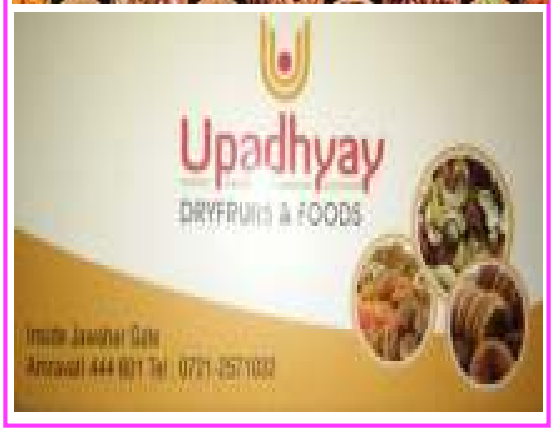

संवाददाता चाहिए

अमरावती ही नहीं तो समूचे संभाग में आचार-विचार-आदर्श संस्कारों को बढ़ावा देने वाले हिंदी साप्ताहिक के रूप में पाठकों का प्यार पाने वाले विदर्भ स्वाभिमान को जिले की अचलपुर, चिखलदरा, चांदुर बाजार,वरूड़ में संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. सामाजिक दायित्व को महत्व देने वाले इच्छुक युवक-युवतियां संपर्क कर सकते हैं. आवेदन के साथ पासपोर्ट फोटो जरूरी है. इच्छुक अपना आवेदन हमें इस पते पर भेज सकते हैं. प्राप्त आवेदनों की जांच करने के बाद फैसला लिया जाएगा. सामाजिक सरोकार रखने वाले ही संपर्क करें.

हमारा पता

विदर्भ स्वाभिमान अखबार

छाया कॉलोनी, अकोली रोड, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, अमरावती.

मो. 9423426199/8208407139

संभाग में कोरोना मरीजों की संख्या में इजाफा

अमरावती/मुंबई- शहर जिले के साथ ही संभाग में कोरोना मरीजों की संख्या में चिंताजनक वृद्धि ने सभी को परेशान कर दिया है. यद्यपि मृत्यु दर अत्यल्प रहना राहत की बात है. लेकिन कोरोना संक्रमितों की बढ़ रही संख्या के कारण स्वास्थ्य विभाग परेशान हो गया है. लोगों के मुताबिक इससे डर है. लेकिन यह संतोष की बात है कि दूसरी लहर के जैसे घर पर ही मरीज ठीक होने वाली स्थिति अच्छी है. लोगों से कोरोना बचाव उपायों का पालन करने का आग्रह विधायक रवि राणा, सांसद सौ. नवनीत राणा ने किया है.बुधवार को संभाग में 1528 संक्रमित मिले हैं.

इस बीच राज्य सरकार द्वारा 1 फरवरी से महाविद्यालय खोलने का फैसला लिया गया है. कोरोना को जिंदगी का हिस्सा मानते हुए उनके अनुरूप ही व्यवहार करने की जरूरत जताई जा रही है. राज्य में मरीजों की बढ़ती संख्या के कारण ओमिक्रान को लेकर विदर्भ सहित देश में चिंता वाली स्थिति है. राज्य में जहां मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है अमरावती संभाग के साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा मामले को अत्याधिक गंभीरता से लिया जा रहा है. ध्यान देने का आग्रह प्रशासन ने किया है.

हर घर में हो यह किताब

माता-पिता की उपेक्षा करने वाले घर में कभी शांति, सम्पन्नता नहीं रह सकती है. यदि रही भी तो आत्मिक सुकून बिल्कुल नहीं रहता है. आदर्श विचार जीवन में खुशी का केन्द्र रहते हैं. ऐसे में माता-पिता की सेवा के महत्व, उससे होने वाले चमत्कार, माता-पिता की सेवा नहीं करने के परिणाम को दिखाने का प्रयास इस किताब में किया गया है. बच्चों में बेहतरीन संस्कार के लिए यह जरूरी है.संस्कार का जीवन में कितना महत्व है, इस पर किताब में प्रकाश डाला गया है. प्राप्ती के लिए संपर्क करें. कीमत केवल 125 रूपए. जिस घर में माता-पिता हंसते हैं, भगवान वहीं पर बसते हैं.आजमाकर देखें.

मो. 9423426199/8855019189

मेहनत और संघर्ष की तैयारी ही दिलाती है जीवन में कामयाबी

श्री बालाजी गैरेज के संचालक सतीश चिरडे का प्रतिपादन

प्रतिनिधि, 8 फरवरी

अमरावती - जीवन में कामयाबी के लिए मेहनत, समर्पण और लगन की जरूरत होती है. दिल से किया गया कोई भी काम हमेशा सफलता देता है. इस आशय का मत सुख्यात युवा व्यवसायी सतीश चिरडे ने किया. दुपहिया गाड़ियों को सुधारने के मामले में अपना स्वयं का नाम कमाने वाले सतीश चिरडे ने निजी नौकरी करने के साथ ही आज स्वयं के भरोसे दो युवकों को रोजगार दिया है. उनका कहना है कि अगर हममे मेहनत करने की तैयारी है तो निश्चित रूप से कामयाबी मिलती है. युवाओं को कभी भी किसी काम में शर्म नहीं करना चाहिए. अपने नाम किए हैं. युवाओं में बढ़ती उदासीनता और समय के प्रबंधन के मामले में लापरवाही पर उनका कहना है कि समय का महत्व नहीं करने वाले लोगों का महत्व समय भी नहीं करता है. ज़ीवन की महत्ता क्या है, उसकी महत्ता यह होती है कि हमारा जीवन किसी के काम आए, हम अगर बहुत अच्छा नहीं कर सकते हैं तो कम से कम किसी का बुरा करने के बारे में नहीं सोचें और हर व्यक्ती की खुशियों में सहभागी होने का प्रयास करें. किसी पीड़ित की मदद करना भी पुण्य का काम होता है. जितना संभव हो सके, मानवता की अलख जगाने का प्रयास करना चाहिए. उनके मुताबिक सफलता संघर्ष की चाहत रखती है. जहां संघर्ष की तैयारी रहती है, वहां सफलता निश्चित तौर पर मिलना ही है. जीवन भगवान द्वारा दिया गया सुंदर उपहार है. इसका दो पल का भरोसा नहीं रहता है लेकिन हमारे कर्म इसे कई शतकों तक जिंदा रखते हैं. जितना संभव हो सके, खुशियां बांटने का काम करना चाहिए. इससे खुशियां हमें ही लौटकर मिलती हैं.विदर्भ स्वाभिमान की नए साल के नए संकल्प पहल की सराहना करते हुए युवा व्यवसायी सतीश चिरडे ने कहा कि आज युवाओं में व्यसनाधीनता बढ़ रही है. हर औलाद से माता-पिता के अरमान जुड़े होते हैं, वह जब टूटते हैं तो माता-पिता के दर्द की कल्पना केवल वे ही कर सकते हैं.महाविद्यालयीन जीवन से ही अर्निंग टू लर्निंग करने वाले पुखराज ने कम संघर्ष नहीं किया है. लेकिन इसके बाद भी वे सदैव हंसते हुए रहते हैं.

सतीश भाऊ ने कम संघर्ष नहीं किया है. उन्होंने आईटीआई करने` बाद दुर्गा मोटर्स में कुछ साल नौकरी की. लेकिन इच्छा सदैव आगे बढ़ने और स्वयं का गैरेज खोलने की रही. उनका मानना है कि ईमानदारी से किया गया प्रयास कभी विफल नहीं होता है. काम के प्रति समर्पण ही व्यक्ती को आगे ले जाता है. इसलिए सदैव जान डालकर प्रयास करना चाहिए.

सामाजिक कामों में भी हर व्यक्ति को योगदान देने की सलाह वे देते हैं. उनके मुताबिक अपने लिए तो जानवर भी जी लेते हैं लेकिन इन्सान ही ऐसा व्यक्ती है, जो लोगों के लिए जब जीना शुरू करता है तो वह अपार सुकून प्राप्त करता है. उनका मानना है कि जीवन में बिना संघर्ष के कामयाबी नहीं मिलती है. ऐसे में यह जरूरी है कि संघर्ष की तैयारी रखने के साथ ही जो भी करें, दिल से करें. निश्चित तौर पर उसका नतीजा बेहतरीन ही रहेगा. बचपन से ही संघर्ष करने वाले वैद्य बंधुओं ने आज व्यवसाय के साथ ही समाजसेवा के क्षेत्र में भी अपना स्वयं का स्थान पैदा किया है.उनके मुताबिक जिंदगी में संघर्ष ही सफलता की कुंजी होती है. निरंतर मेहनत, लगन और समर्पण ही कामयाबी का सूत्र होता है. ज़ीवन में सदैव सकारात्मक सोच रहनी चाहिए.

गुरूवार 2 नवंबर से 9 नवंबर 2023

मेष

इस राशि के लोगों के लिए नया साल आशा आकांक्षाओं को प्रफुल्लीत करने वाला साबित होगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है.

वृषभ

नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

मिथुन

अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क

आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह

सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या

विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.

तुला

घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक

दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु

गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर

घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें.

कुंभ

नए साल में प्रगति का योग है. अपनों का साथ मिलना श्रेयस्कर रहेगा. समय का महत्व समझें.

मीन

दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

अच्छी और सही सोच का जीवन में है अत्याधिक महत्व

मनीष दारा का मत, ज़ीवन में कभी भी बेकार नहीं जाती है की गई अच्छाई, अच्छा करते रहना चाहिए

विदर्भ स्वाभिमान 14 फरवरी

अमरावती- जीवन में माता-पिता का आशिर्वाद, काम के प्रति समर्पण और सदैव सकारात्मक सोच रखने वाले व्यक्ति के जीवन में कभी भी समस्या नहीं आती है. इसलिए सदैव अच्छी सोच रखकर ही कोई काम करना चाहिए. इससे जीवन में कभी भी दुख नहीं आता है. सुख-दुख में भी समान भाव रखने वाले को दुख कभी परेशान नहीं कर सकता है. अच्छी सोच और मेहनत ही हर तरह की कामयाबी दिलाती है. इसलिए सदैव अच्छी सोच के साथ ही दूसरों को खुशी देने का प्रयास करना चाहिए. ऐसा करने से हमारी खुशी बढ़कर हमें मिलती है. जिंदगी किसी चुनौती से कम नहीं है, लेकिन सकारात्मक सोच जिंदगी को खुशनुमा बनाती है. इस आशय का मत पोदार इंटरनेशनल विद्यालय के प्राचार्य और राष्ट्रीय स्तर के सुख्यात वक्ता सुधीर महाजन ने किया. उनके मुताबिक खुशियां देने से बढ़ती है. उसी तरह जब हम किसी को सम्मान देते हैं, प्रेम देते हैं तो वह बढ़कर हमें मिलती है. ऐसी सोच ही विश्व में भारत को आगे बढ़ाएगी. खुशी ही ऐसी खूबी है जो देने वाले को भी मिलती है और जिसे हम देते हैं, उसका भी उसी अंदाज में उत्तर मिलता है. इसलिए जितना संभव हो सके, खुशियां बांटने का प्रयास करना चाहिए.आदर्श प्राचार्य के साथ ही भारतीयता और भारतीय संस्कारों को अत्याधिक महत्व देने वाले सुधीर महाजन के मुताबिक जितना संभव हो सके, हम जिस भी

क्षेत्र में हैं, उसमें जान झोंककर कार्य करें और अपने पद के साथ न्याय करने का प्रयास करें. हर व्यक्ति जिस दिन ऐसा करेंगा, भारत को फिर से सोने की चिड़ियां बनाने में कोई नहीं रोक सकेगा. खुशियां हममे ही समाहित रहती हैं. इसलिए सदैव खुश रहने के साथ ही अपने इर्द-गिर्द वालों को भी खुशियां देने का प्रयास जब किया जाता है तो हमारी खुशियां बढ़ती जाती हैं.उनके मुताबिक जब हम खुशियां देने का काम करते हैं तो वह हमारे पास बढ़कर लौट कर आती हैं. इसका अनुमान हमारे प्रसन्न और नाराज देहरे को देखकर सहज लगाया जा सकता है. उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जब हम प्रसन्न होते हैं तो यह हमारे चेहरे से भी दिखाई देता है. खुशियों के कारण शरीर में अपार उर्जा का संचार होता है. लेकिन गुस्से में हमारा ही चेहरा खराब दिखाई देता है. जीवन का भी यही तत्व है. खुश रहें और खुशियां बांटते रहें, गम का पता नहीं चलेगा. जिंदगी खुशियां देने में जब बीतेगी तो हम दुनिया में सदैव छाए रहेंगे. उनके मुताबिक रिश्तों को सही तरीके से निभाने के बाद कभी दुख जैसी स्थिति पैदा नहीं होता. माता-पिता के आशिर्वाद और पत्नी के साथ को जीवन में प्रगति का माध्यम मानने वाले मनीष दारा के मुताबिक हर व्यक्ति की खूबी होती है. वह उसके ध्यान में नहीं आती है. लेकिन कुछ ही लोग ऐसे होते हैं जो हर स्थिति में स्वयं को स्थापित कर लेते हैं. अपनी कामयाबी का पूरा श्रेय पिता डॉ. चंद्रभान दारा और मां के साथ ही परिवार को देने वाले मनीष दारा को उज्जवल भविष्य और स्वस्थ तथा मस्त जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.

फोन 2564125,2674048

राजपुरोहित डिजिटल स्टुडियो

फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता क़ी विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

कृष्णार्पण कॉलोनी, संत लहानुजी महाराज मंदिर के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

मत बुरा कर्म कर बंदे, वर्ना पछताएगा

प्रभु ने हमें जो आदर्श जीवन दिया है, यह केवल हमारे लिए ही नही है. बल्कि इस जीवन का हम किस तरह स्वयं के कल्याण के साथ ही मानव कल्याण के लिए यथासंभव उपयोग करते हैं. ज़ो जीवन में केवल अपने लिए ही जीते हैं, उनमें और पशुओं में कोई अंतर नही होता है. लेकिन जो गरीबों, जरूरतमंदों को अपनी क्षमता के मुताबिक मदद देने का काम करते हैं, प्रभु सदैव उनकी झोली खुशियों से भर देता है. इसलिए भाव के साथ देव का विश्वास रखते हुए सदैव अच्छा करने का प्रयास करें. किसी के साथ छल करने के बाद अपने साथ वैसा ही छल होगा, यह निश्चित मानकर चलें. बुरा करनेवाले को उसका दंड भुगतना ही पड़ता है.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 30 नवंबर से 6 दिसंबर 2023 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 23 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षों से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत है. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे.

ज़ीवन में सगे नाते-रिश्तों में राजनीति कभी नहीं करनी चाहिए. हमारा स्वयं का महत्व बढ़ाने के लिए अगर हम परिवार के किसी भी सदस्य की इज्जत घटाने का प्रयास करते हैं तो हमारा प्रयास कभी भी सफल नहीं हो सकता है. यह सोचने वाली बात है कि जब अपनों की बुराई हम किसी दूसरे से करते हैं तो उसकी नजर में हम भी बेहतरीन कभी नहीं हो सकते हैं. इसलिए रिश्तों के महत्व को समझने का प्रयास करना चाहिए.

सुभाषचंद्र जे. दुबे, संपादक-विदर्भ स्वाभिमान, 9423426199/8855019189

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com